फतेहगढ़ पुलिस

मस्जिद में जुमे की नमाज अदा करते नमाजी।

जुमे पर पुलिस का पहरा, बारिश को दुआ

फर्रुखाबाद। जुमे की नमाज को लेकर पुलिस का कड़ा पहरा रहा। मस्जिदों में पुरसुकून माहौल में जुमे की नमाज अदा की गई। नमाज बाद मस्जिदों में बारिश होने को लेकर दुआ की गई। मानसून तरसा रहा है जिले में सूखे जैसे हालात बनते जा रहे हैं। फसलें खेतों में सूख रही है। इसको लेकर मस्जिदों में जुमे की नमाज में बारिश के लिए विशेष दुआएं की गई। मस्जिदों के इमामों ने कहा बारिश न होने से हालात खराब हो रहे हैं। बारिश होना बहुत जरूरी है।

मीडिया सेल

फतेहगढ़ **पुलिस**

ईरानी गैंग के दो शातिर गिरफ्तार

लखनऊ में पुलिस अभिरक्षा से भागे थे, फर्रुखाबाद रेलवे स्टेशन से पकड़े गए

संवाद न्यूज एजेंसी

फर्रुखाबाद। लखनऊ में पुलिस अभिरक्षा से भागे ईरानी गैंग के दो शातिरों को शहर कोतवाली पुलिस ने पकड़ लिया। दोनों रायबरेली पुलिस से मुठभेड़ में गोली लगने से घायल हुए थे। लुटेरों को इलाज के लिए लखनऊ स्थित केजीएमयू में भर्ती कराया गया था। वहां से पुलिस को चकमा देकर 13 जुलाई को भाग गए थे। पुलिस ने दोनों के पास से दो तमंचे व कारतूस बरामद किए हैं। उनके खिलाफ अवैध शस्त्र अधिनियम का मुकदमा दर्ज किया गया।

इरफान

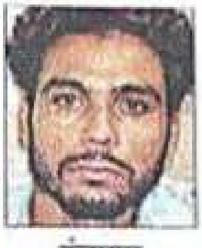

इंजमाम

जौनपुर के गांव बड़ेगांव निवासी ईरानी गैंग के सदस्य इंजमाम और मध्य प्रदेश के थाना उमरिया निवासी इरफान केजीएमयू से पुलिस को चकमा देकर भाग गए थे। दोनों ट्रेन से गुरुवार को फर्रुखाबाद रेलवे स्टेशन पहुंचे। रात में रेलवे स्टेशन से भोपाल जाने के लिए कोई ट्रेन नहीं थी तो मोहल्ला बजरिया दूल्हे साहब की दरगाह पर चले गए। शुक्रवार को दोनों रेलवे स्टेशन पहुंचे तो पता चला कि ट्रेन एक घंटे लेट है। पानी की टंकी के पास बैठ गए। भनक लगने पर शहर कोतवाल विनोद शुक्ला ने फोर्स के साथ दबिश देकर दोनों को वहीं से दबोच लिया।

पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा ने बताया कि लखनऊ से पुलिस अभिरक्षा से भागे ईरानी गैंग के शातिर इंजमाम व इरफान पकड़े गए हैं। शातिरों को गिरफ्तार करने वाली टीम को 15 हजार रुपये का इनाम दिया जाएगा।

मीडिया सेल

फतेहगढ़ पुलिस

इंजमाम का पुराना ठिकाना है ठंडी सड़क की ईरानी बस्ती

फर्रुखाबाद, कार्यालय संवाददाता। लखनऊ से भागे शातिर अपराधी इंजमाम अली का ठंडी सड़क स्थित ईरानी बस्ती पुराना ठिकाना है। कभी इसके यहां पुरखे रहते थे। अब खानदान के लोग रहते हैं। लखनऊ से जब यह अपने साथी इरफान अली के साथ भागा तो आराम से अपने एक नजदीकी के घर छिपने के लिए पहुंच गया। पुलिस पर भी नजर रखी जा रही थी। दोनों के बारे में लखनऊ पुलिस को पहले से ही पता था। इसलिए फर्रुखाबाद की पुलिस को शातिरों के भागने को लेकर अलर्ट किया गया था।

शुक्रवार से ही पुलिस की टीम ईरानी बस्ती के ईद गिर्द घूम रही थी। घेर शामू खां मोहल्ला भी पुलिस की रडार पर था। मुखबिरों का जाल बिछाया गया था। सूचना के लिये लगाये गये लोगों से कहा गया था कि जो लोग नई उम्र के लंगड़ाकर चलें उनके बारे में जरूर खबर दें। आखिरकार शहर कोतवाली पुलिस को इसमें सफलता मिल गयी। पुलिस बड़े आराम से दोनों को उठाकर ले आयी। बस्ती के लोगों ने भी कोई विरोध नहीं किया।

रायबरेली पुलिस जब सुबह आयी तो वह काफी देर तक इसको लेकर उलझी रही कि आखिर दोनों शातिर कहां रखे गये हैं। शहर कोतवाली में रायबरेली से आए दो उपनिरीक्षक भटकते रहे। लखनऊ से भी पुलिस टीम ने आकर यहां शहर कोतवाल से बातचीत की। बताया जाता है कि एसटीएफ भी पुलिस के संपर्क में थी।

जब दोनों पकड़े गये तो एसटीएफ को भी इसको लेकर खबर दी गयी। हालांकि दोनों की गिरफ्तारी के बाद ही पुलिस अधीक्षक ने बड़े अधिकारियों को सूचित कर दिया था। पुलिस की गिरफ्त में आने के बाद इंजमाम ने बताया कि ईरानी बस्ती में उसका पुराना रिश्ता है।

पहले उसके पुरखे रहते थे अब उसके खानदान के लोग यहां रहते हैं। पुलिस को यहां का शक नहीं होगा इसलिए ट्रेन में बैठकर निकल आये थे लेकिन पुलिस पहुंच गयी और पकड़े गये। उसने बताया कि पहले भी वह कई बार बस्ती में आ चुका है। जब भी समय मिलता तो वह अपने लोगों से मिलने जरूर आता है।

रेलवे ट्रैक पर बैठकर काटा था प्लास्टर

लखनऊ से भागने के बाद दोनों अस्पताल से पैदल छिपते छिपाते स्टेशन के नजदीक रेलवे ट्रैक पर पहुंचे। वहीं दोनों ने ब्लेड से प्लास्टर काट लिया था। दोनों ने पुलिस निगरानी में बताया कि प्लास्टर काटने के बाद बगैर टिकट वह फर्रुखाबाद के लिए ट्रेन में सवार हुये और यहां आ गये। रास्ते में उन्हें किसी ने टोका भी नहीं। सीट पर आराम से बैठे रहे। जिससे कि कोई उन पर शक न कर सके। स्टेशन पर आकर उतर गये थे और अपने लोगों के संपर्क में आ गये थे।

■ ईरानी बस्ती में कभी रहते थे पुरखे, अब रहते हैं खानदानी लोग

■ रात में आकर आराम से छिप गये थे, पुलिस पर रख रहे थे नजर

पुलिस गिरफ्त में शातिर अपराधी इंजमाम और इरफान, जानकारी देते एसपी।

दोनों पर दर्ज हैं 14 मुकदमे

शातिर अपराधी इरफान अली पर सात मुकदमे दर्ज हैं। अयोध्या जनपद के हैदरगंज के अलावा रायबरेली के डलमऊ, नगर कोतवाली, लखनऊ के चौक कमिश्नरेट में इसके खिलाफ मुकदमे हैं। इसमें चोरी, जानलेवा हमला और आर्म्स एक्ट के मुकदमे शामिल हैं। इसी तरह इसके साथी इंजमाम अली पर भी सात मुकदमे हैं। यह मुकदमे भी अयोध्या, लखनऊ, रायबरेली के थानों में दर्ज हैं। दोनों की गिरफ्तार करते समय शहर कोतवाल विनोद शुक्ला, उपनिरीक्षक जगदीश भाटी, विद्यासागर तिवारी, मोहम्मद सरताज साथ में रहे।

एनकाउंटर के डर से भागे थे दोनों शातिर

पुलिस गिरफ्त में आने के बाद शातिर अपराधी इंजमाम और इरफान ने बताया कि रायबरेली में जब पुलिस मुठभेड़ में गोली लगने से घायल हुये थे तो उसके बाद उन्हें इलाज के लिए लखनऊ के अस्पताल में रखा गया था। जहां वह भर्ती थे। शातिर का कहना है कि इसी वार्ड में एक महिला ने कह दिया था कि पुलिस एनकाउंटर कर सकती है इससे हम लोग डर गये थे। इसी दहशत के कारण प्लान बना लिया। सुबह को जब मौका मिला तो वहां से भाग निकले। रास्ते में तय किया कि फर्रुखाबाद ही सुरक्षित ठिकाना है। इसलिए इस ओर चले आये।

मीडिया सेल

श्री आस्तिक ज्वैलर्स
जय गंगे माँ ज्वैलर्स